ए होत फुरमाया हक का

ए होत फुरमाया हक का, जो किया खुलासा ए।
किए हादी ने जाहेर, याही मगज मुसाफ के।।

खुले द्वार सब अर्सों के, एही रूह अल्ला इलम।
एही लदुन्नी खुदाई, ए कौल हक हुकम।।

मोमिन रूहें करें कुरबानियाँ, और मता वजूद समेत।
छोड़ दुनी इस्क लेवहीं, दिल अर्स हुआ इन हेत।।

रूहें जो दरगाह की, हक जात वाहेदत।
ए जाने अर्स अरवाहें, जिन मोमिनों निसबत।।

किया खुलासा जाहेर, ले बेसक हक इलम।
दिया महंमद मेंहेदी ने, गिरो मोमिनों हाथ हुकम।।